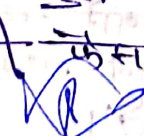


<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियलस जज 72/19 सुखरीलाल vs परसादी प्राम्त्र 212/19A</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए</p>
<p>6/9/22</p>	<p>पत्रावली आज पेश हुई, पत्रावली वास्तु बदल गइ दिनांक 13/09/22 की पेश की</p>	
<p>13/9/22</p>	<p>अभिमान संघ द्वारा कार्य का बाह्यकार्य रखा गया है। अतः उप खण्ड अधिकारी उपखण्ड अतिरिक्त दिनांक 22/9/22 को पेश हो</p>	<p>उप खण्ड अधिकारी नगर (भरतपुर)</p>
<p>22/9/22</p>	<p>आज पत्रावली पेश हुई, प्राथमिक पत्र पर उभय पक्ष की बहस सुनी गई, पत्रावली वास्तु आदेश गइ दिनांक 06/10/22 की पेश की</p>	<p>उप खण्ड अधिकारी नगर (भरतपुर)</p>
<p>06/10/22</p>	<p>पत्रावली प्रस्तुत हुई, प्राथमिक द्वारा प्रस्तुत प्राथमिक पत्र अन्तर्गत धारा-212 RFA पर दिनांक 13/11/19 की दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्राथमिक परसादी वर्ग की जर्जि अन्तर्गत अस्थायी निर्धारण- साबन्दा किया गया था कि वे दिनांक 25/11/19 आठ रक नं 3135/611 3135/611 वाले उस्था नगर तह नगर में प्राथमिक के कब्जे भारत में इसी प्रकार सहायक मजदूर न करें। इसके पश्चात् आगामी तारीख पेशियां नउ अन्तर्गत अस्थायी निर्धारण प्रवृत्त रही। प्राथमिक पत्र पर अप्राथमिक की जवाब प्राथमिक पत्र प्रस्तुत हुआ जो शामिल पत्रावली किया गया। प्राथमिक पत्र पर गत तारीख की पर उभय पक्ष की गई। जिसकी प्राथमिक अतिरिक्त ने उदा कि गइ के तथ्यों की बहस मान लिया जावे। अप्राथमिक अतिरिक्त ने अपने कथन में उदा कि प्राथमिक की बहस अन्तर्गत अस्थायी निर्धारण का अधिकार नहीं है। विजयाराजी व संशु प्राथमिक की सदरवातफारी की</p>	<p>उप खण्ड अधिकारी नगर (भरतपुर)</p>



उप खण्ड अधिकारी
नगर (भरतपुर)

तारीख हुक्म	<p style="text-align: center;"> चाराजी के परखावी 20/11/19 हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज </p>	नम्बर व ता अहकाम जो हुक्म की ता में जारी हु
	<p> चाराजी के बिस्म अन्तरिम अस्थाई निर्बंधनार्थ पावन्द नही किया जा सकता है अतः प्राथिन-पत्र डाकिल खारिज योग्य है। पत्रावली का समग्र अध्ययन/अवलोकन किया गया। उभय पक्ष की बहस पर मनन किया। इसके उपरान्त इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि- अप्राथिन अपने बयानों की प्रथम दृष्टया प्रमाणित नही कर पाया। यदि जैरसाथलान की सीमा संबंधी किसी प्रकार की शंका होती सीमाज्ञान करवाकर आगामी कानूनी कार्यवाही कर सकता है। अतः आदेश है कि इस न्यायालय द्वारा पूर्व में दिनांक 13/11/2019 को जारी अन्तरिम अस्थाई निर्बंधन के आदेश को जारी रखा जाना न्यायालय न्यायचित्त समझता है अतः प्राथिन-पत्र खीटाट किया जाऊँगा कि अन्तरिम अस्थाई निर्बंधन की याद के निस्तारण तक संपूर्ण किया जाता है। निर्णय आज दिनांक 06/10/2022 को मेरे हाथ लिखाया जाए। खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली के सबल शुमार होकर संबंधन याद रही। </p> <p style="text-align: center;">  (सुदेश कुमार) उप खण्ड अधिकारी नगर (भरतपुर) </p>	